प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 28 मार्च, 2026 :-

(1) आदरणीय उपराष्ट्रपति महोदय, जोहार! धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती झारखंड में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।

---

(2) माननीय उपराष्ट्रपति महोदय के साथ भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू, खूँटी जाकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए तथा उनके वंशजों से भेंट की। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

---

(3) माननीय उपराष्ट्रपति जी के साथ आज बिरसा चौक, राँची स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

---

(4) माननीय उपराष्ट्रपति महोदय, लोक भवन, रांची में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। आपके आगमन से संपूर्ण लोक भवन परिवार में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है।

---

(5) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन, राँची में माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की तथा उन्हें स्मृति-चिह्न प्रदान किया।

साथ ही, राज्यपाल महोदय ने राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश एवं माननीय उपराष्ट्रपति के सचिव श्री अमित खरे को भी स्मृति-चिह्न प्रदान किए।

---

(6) माननीय उपराष्ट्रपति जी की गरिमामयी उपस्थिति में आज आयोजित भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) राँची के दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो उनके परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल उत्कृष्ट पेशेवर बनने, बल्कि संवेदनशील एवं उत्तरदायी नागरिक के रूप में समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारतीय प्रबंध संस्थान, राँची देश के अग्रणी प्रबंधन संस्थानों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है। यह संस्थान उत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे उच्च कोटि के संस्थान जिस भी राज्य में स्थापित होते हैं, वे उस राज्य के लिए गौरव का विषय होते हैं। उन्होंने संस्थान में स्थापित 'अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर पॉलिसी, लीडरशिप एंड गवर्नेंस' तथा भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर स्थापित 'सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स' की सराहना करते हुए कहा

कि ये केंद्र समावेशी विकास, सुशासन एवं सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में चुनौतियों के साथ-साथ अवसर भी व्यापक हैं। ऐसे समय में युवाओं को अपने निर्णयों में नैतिकता, पारदर्शिता एवं मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, ऊर्जा एवं नवाचार के बल पर देश को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि जहाँ भी जाएँ, जिस भी क्षेत्र में कार्य करें, वहाँ केवल सफलता ही नहीं, बल्कि उत्कृष्टता एवं मानवीय मूल्यों की पहचान बनें। एक अच्छा प्रबंधक बनना महत्वपूर्ण है, किंतु एक अच्छा इंसान बनना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के मंत्र के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है तथा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। ऐसे समय में युवा प्रतिभाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने माननीय उपराष्ट्रपति जी का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि उनका झारखंड से विशेष आत्मीय संबंध रहा है तथा उनकी गरिमामयी उपस्थिति से यह समारोह और अधिक प्रेरणादायी एवं स्मरणीय बन गया है। उन्होंने माननीय उपराष्ट्रपति के सचिव श्री अमित खरे का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने लोक भवन, झारखंड में प्रधान सचिव के रूप में लगभग साढ़े चार वर्षों तक अपनी सेवाएँ दी हैं तथा केन्द्र सरकार में शिक्षा, सूचना एवं प्रसारण सहित अनेक महत्वपूर्ण मंत्रालयों में उनका योगदान सराहनीय रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के सलाहकार के रूप में भी उन्होंने उल्लेखनीय सेवा प्रदान कर अपनी दक्षता एवं दूरदर्शिता का परिचय दिया है।

राज्यपाल महोदय ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन में उत्कृष्टता एवं मानवीय मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।